मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

सितंबर 2025
दीक्षांत समारोह
विशेषांक

दीक्षांत समारोह में देशभक्तिपूर्ण कविता सुनाती छात्रा अनुष्का शर्मा। *(खबर पेज 2 पर)*

मेधावियों के चेहरों पर दिखी पदक की चमक
धूमधाम से मना 37वां दीक्षांत समारोह

187	45	05	01	64
मेधावियों को प्रदान किए गए 245 स्वर्ण पदक	मेधावियो को मिले दो–दो स्वर्ण पदक	मेधावियों को मिले तीन–तीन पदक	छात्रा गुंजन चौहान को मिले चार स्वर्ण पदक	प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किए गए

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रा को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान करतीं कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। उनके साथ हैं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, मुख्य अतिथि प्रोफेसर टीजी सीताराम, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का 37वां दीक्षांत समारोह 22 सितंबर को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मंच से मेधावियों को पदक देने के लिए घोषणा होते ही तालियां गूंजती रहीं। समारोह में कुलाधिपति ने 187 मेधावियों को 245 पदक मंच पर प्रदान किए। 53587 विद्यार्थियों को डिजीलॉकर के माध्यम से उपाधियां दी गईं। कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल के हाथों पदक पाकर होनहार छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस दौरान मेधावियों के अभिभावकों के चेहरे पर भी गौरव के भाव देखे गए।

समारोह की शुरुआत वंदेमातरम् गीत से हुई। सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विवि की आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के शिखर पर अग्रसर हो रहा है। विवि को ए प्लस प्लस ग्रेड मिल चुका है। कई रैंकिंग में विश्वविद्यालय का प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

कुलपति ने बताया कि विवि 22 एकड़ में फैला हुआ है और पहला ऐसा संस्थान है जो सौर ऊर्जा से विद्युत का उत्पादन करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय की अनेक उपलब्धियों का वर्णन किया। बताया कि विवि में शोध कार्यों पर बहुत जोर दिया जा रहा है। विवि में एक लाख 19 हजार 907 डिग्रियां कन्फर्म की गई हैं।

स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को मूल मंत्र बनाइए : राज्यपाल

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावियों को सम्मानित करने आईं कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज का भारत नए युग की दहलीज पर खड़ा है। नए भारत के सामने विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत, पर्यावरण संरक्षण से समृद्ध भारत, अपनी विरासत पर गर्व करता भारत, सभी क्षेत्रों में नेतृत्व करता भारत जैसे अनेक लक्ष्य हैं। यह करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाएं भी हैं जो हमें नए भविष्य की ओर अग्रसर करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब अनुसरण करने वाला नहीं, बल्कि नेतृत्व करने वाला राष्ट्र बन चुका है। राज्यपाल ने सभी स्कूलों व कॉलेजों में स्वदेशी दिवस, स्वदेशी सत्याग्रह और लोकल प्रॉडक्ट डे मनाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को मूल मंत्र बनाइए। देशवासी नवभारत के सृजन में शामिल हों। राज्यपाल ने नवरात्रि के पहले दिन सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नारी सृष्टि की आधारशिला है। माता स्वस्थ होगी तभी देश का भविष्य स्वस्थ हेगा। तभी महिलाओं की देश के विकास में भागीदारी भी बढ़ेगी। महिलाओं को अधिक सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चल रही हैं जिससे 2047 के विकसित भारत में महिलाओं की भागीदारी और बढ़ सके।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों के नशे में लिप्त होने पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तीन दिन की यात्रा के दौरान उन्हें मिली रिपोर्ट बेहद चिंताजनक है। युवा पीढ़ी नशे के दलदल में फंसती जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री विकसित भारत बनाने में युवाओं के योगदान को सबसे अहम मान रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि उनकी टीम को जांच के दौरान कई विश्वविद्यालय परिसरों में नशे की सामग्री मिली है। नशा सेवन में छात्राओं का भी शामिल होना देश के भविष्य के लिए ठीक नहीं है। यदि छात्राएं आज नशा करेंगी तो कल खुद मां बनने पर वे अपने बच्चों को कौन से संस्कार सिखा पाएंगी।

उन्होंने सभी विश्वविद्यालय परिसरों को नशामुक्त करने और छात्र–छात्राओं के नशे से दूर रहकर अपना भविष्य बचाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि विवि प्रशासन समय–समय पर परिसर की, खासतौर पर छात्रावासों की जांच कराएं। सुनिश्चित करें कि कोई भी नशा सामग्री विश्वविद्यालय परिसर के अंदर न पहुंचे। नशे की सामग्री मिलने पर विद्यार्थियों को समझाएं, चेतावनी दें। चिकित्सकों के माध्यम से छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव बताकर नशे का सेवन न करने को प्रेरित किया जाए।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करतीं कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल (ऊपर बाएं) और सभागर में उपस्थित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं।

जेल का भ्रमण : सेवा पखवाड़ा अभियान 2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को जिला कारागार का भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्रों ने बंदियों से उनकी दिनचर्या, शिक्षा, प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

शिक्षा का सच्चा उद्देश्य मूल्य, नैतिकता और करुणा से ही परिभाषित होगा

मुख्य अतिथि प्रोफेसर टीजी सीताराम का संबोधन

परिसर संवाददाता

मेरठ। यह समारोह केवल व्यक्तिगत सफलता का ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण करने का भी है। अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के साथ–साथ सामाजिक असमानताओं को मिटाने, आर्थिक उत्थान लाने और देश की प्रगति के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए स्वयं को समर्पित करें। इसी मार्ग से हम अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार कर सकते हैं। ये बातें सीसीएसयू के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम ने कहीं।

उन्होंने कहा कि मेरठ नगरी अपनी ऐतिहासिक धरोहर, बलिदानों और देशभक्ति की भावना के लिए जानी जाती है। यह सदैव भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय जागरण की अग्रिम पंक्ति में रही है। यह धरती महान संतों, क्रांतिकारियों और नेताओं से धन्य रही है, जिनके योगदान ने भारत के इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी है।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम को स्मृति चिह्न भेंट करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला (बाएं) और अपने संबोधन के दौरान प्रोफेसर सीताराम।

उन्होंने पदक प्राप्त करने वाले मेधावियों से कहा कि आप उस युग में कदम रख रहे हैं जो ज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल उद्योगों को ही नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सुशासन और मानव जीवन के लगभग हर क्षेत्र को रूपांतरित कर रही है। एआई व्यक्तिगत शिक्षा, स्मार्ट अनुसंधान और हमारे समय की जटिलतम चुनौतियों के समाधान में सक्षम हो रही है, लेकिन आपको स्मरण कराना चाहता हूं कि जहां एआई मानव बुद्धि भी बढ़ा सकती है, वहीं आपकी शिक्षा का सच्चा उद्देश्य आपके मूल्य, नैतिकता और करुणा से ही परिभाषित होगा।

प्रोफेसर टीजी सीताराम ने कहा कि तकनीक को समाज की सेवा का उपकरण बनाइए, केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि सामूहिक प्रगति के लिए। आत्मनिर्भर भारत का आह्वान केवल उद्योगों में आत्मनिर्भरता का नहीं है, बल्कि यह विचार, नवाचार और कर्म में आत्मविश्वास का भी है। इसका अर्थ स्वदेशी को अपनाना, हमारी संस्कृति, परंपराओं और पारंपरिक ज्ञान का सम्मान करना और उन्हें आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ना है।

आपको सृजनकर्ता, नवोन्मेषक और उद्यमी बनना होगा। मेक इन इंडिया और क्रिएट फार इंडिया को अपने जीवन की यात्रा का मार्गदर्शक बनाइये।

...तो व्यक्तिगत हित राष्ट्रहित में बदल जाएगा

परिसर संवाददाता

मेरठ। दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि स्वदेशी अपनाने के आह्वान के साथ ही सरकार ने रोटी, कपड़ा और मकान सभी पर जीएसटी कम कर दिया है। यह तैयारी उस खतरे को भांपकर की गई है, जिसमें टैरिफ जैसी अड़चनें लगाकर भारत की प्रगति को रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने मेधावियों से कहा कि आगे जीवन में वे अपने व्यक्तिगत हित को उत्कृष्टता तक पहुंचाएंगे तो वह व्यक्तिगत हित राष्ट्रहित में बदल जाएगा।

युवा सोचें कि वे राष्ट्र निर्माण में कैसे योगदान दे सकते हैं

दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रा को मेडल और डिग्री प्रदान करतीं उच्च शिक्षा विभाग की राज्यमंत्री रजनी तिवारी।

परिसर संवाददाता

मेरठ। उच्च शिक्षा विभाग की राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि पहले नवरात्र पर स्वर्ण पदक पाने वाली बेटियों को आगे बढ़ता देख पता चलता है कि हमारा भारत बदल रहा है। डिग्री केवल कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि मेहनत का प्रतिफल है। 2047 के विकसित भारत में बेटियों का योगदान केवल चूल्हा–चौका में नहीं बल्कि विकास में भी है।

कहा कि भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। विवि के साथ राष्ट्र को भी युवाओं से उम्मीदें हैं। युवाओं की जिम्मेदारी है कि सोचें कि वे राष्ट्र निर्माण में कैसे योगदान दे सकते हैं। उत्तर प्रदेश ने उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण काम किया है। प्रदेश के युवा देश–दुनिया में प्रतिभा साबित कर रहे हैं। हम संकल्प लें कि देश को सशक्त बनाकर आगे बढ़ाने में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने से पीछे नहीं हटेंगे।

धर्म पूछकर बहनों का सिंदूर मिटाया था तुमने, उसी मिटे सिंदूर को बारूद बनाया है हमने

दीक्षांत समारोह में कविता सुनाती छात्रा अनुष्का शर्मा

मेरठ। "दुनिया को नए भारत का यशगान सुनाया है हमने, दुश्मन के घर में ही घुसकर जश्न मनाया है हमने। धर्म पूछकर बहनों का सिंदूर मिटाया था तुमने, अब उसी मिटे सिंदूर को बारूद बनाया है हमने।" चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डाल्फिन स्कूल की कक्षा सात की छात्रा अनुष्का शर्मा ने राज्यपाल सहित सभी अतिथियों के समक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को जवाब और चेतावनी देती यह कविता सुनाई तो सदन तालियों से गूंज उठा।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

हस्तकला एवं हथकरघा प्रदर्शनी : सेवा पखवाड़ा अभियान 2025 के अंतर्गत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा बुनकर सेवा केंद्र, मेरठ में हस्तकला एवं हथकरघा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

चार वरिष्ठ शिक्षकों को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड

परिसर संवाददाता

मेरठ। दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के चार वरिष्ठ शिक्षकों राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, गणित विभाग के आचार्य प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता, जंतु विज्ञान विभाग के आचार्य प्रोफेसर संजय भारद्वाज और ललित कला विभाग की प्रोफेसर अलका तिवारी को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

राज्यपाल ने हापुड़ जिले के 300 आंगनबाड़ी केंद्रों को किट प्रदान की। मेरठ के एमआईईटी और एमआईटी सहित छह कॉलेजों को ए और ए प्लस नैक ग्रेड मिलने पर सम्मानित किया। राज्यपाल ने हापुड़ जिले के डीएम, एसएसपी और सीडीओ को विशेष रूप से कहा कि वे जिले में सभी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के परिवारों में नौ से 15 वर्ष तक की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगवाएं।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की ओर से भीमजी कांजी बुनकर को मानद उपाधि देने की घोषणा की। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के चार वरिष्ठ शिक्षकों प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता, प्रोफेसर संजय भारद्वाज और प्रोफेसर अलका तिवारी को सम्मानित किया (ऊपर)।

दीक्षांत समारोह के दौरान कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आंगनबाड़ी केंद्रों को किट (नीचे बाएं) प्रदान की और दीक्षोत्सव प्रतियोगिताओं के बच्चों को पुरस्कृत (ऊपर) भी किया।

तिलक स्कूल से खुशी, शिवम और अमित को कुलपति स्वर्ण पदक

परिसर संवाददाता

मेरठ। 37वें दीक्षांत समारोह में तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल की छात्रा खुशी वर्मा और छात्र शिवम तुरैहा एवं अमित राणा ने कुलपति स्वर्ण पदक जीता।

खुशी वर्मा ने बीएजेएमसी ऑनर्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके कुलपति स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि शिवम तुरैहा ने बैचलर इन फिल्म एंड थिएटर स्टडीज में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके यह उपलब्धि हासिल की। अमित राणा ने बैचलर इन सिनेमैटोग्राफी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये। तीनों को कार्यक्रम के दौरान मंच पर कुलाधिपति ने पदक देकर सम्मानित किये। तिलक स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार और सभी शिक्षकों ने खुशी, शिवम और अमित की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करते खुशी वर्मा (सबसे ऊपर), शिवम तुरैहा (ऊपर बाएं) और अमित राणा (दाएं)।

भविष्य में और ऊंचाइयों को छुएगा सीसीएसयू

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय में 37वें दीक्षा समारोह के बाद मंगलवार 23 सितंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में विशेष आभार एवं सम्मान समारोह हुआ। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां प्राप्त करेगा। वहीं, दीक्षा समारोह अपनी उत्कृष्टता, अनुशासन और भव्यता के लिए लंबे समय तक याद किया जाएगा।

कुलपति ने दीक्षा समारोह के आयोजन में योगदान देने वाले समस्त समितियों के पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इनमें आडिटोरियम समिति, प्रेस समिति, सर्टिफिकेट वितरण समिति, अनुशासन समिति, सांस्कृतिक समिति, आतिथ्य एवं स्वागत समिति, यातायात एवं व्यवस्था समेत विभिन्न समितियों का योगदान रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़े छात्र–छात्राओं ने वालिंटियर्स के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में प्रति कुलपति प्रो. मृदुल गुप्ता, निदेशक शोध प्रो. बीरपाल सिंह, कुलसचिव डा. अनिल कुमार यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. वीरेंद्र मौर्य व वित्त अधिकारी रमेश चंद्र मौजूद रहे।

कुलाधिपति ने किया फार्मेसी, कैंटीन, कर्मचारी आवास, पार्क का उद्घाटन

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के 37वें दीक्षा समारोह में हिस्सा लेने पहुंची कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रविवार 21 सितंबर की शाम विवि परिसर में चार नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कर्मचारियों के लिए डिग्गी के रास्ते की ओर बने दो बीएचके वाले 24 फ्लैट के भवन का शुभारंभ किया। इसके साथ ही तपोवन में विकसित मियावाकी पद्धति के वन का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण में हर वर्ग के सहयोग व सहभागिता का आह्वान किया।

इस वन में 25 प्रजाति के 1,250 पौधे लगाए गए हैं। इसके साथ ही तपोवन की ट्रैक को व्यवस्थित करते हुए रास्ते के दोनों ओर दोहरा हेज लगाया गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह के सामने विद्यार्थियों के लिए नई कैंटीन बनाई गई है। इस कैंटीन का नाम अन्नपूर्णा जलपान गृह रखा गया है। कुलाधिपति ने कैंटीन का उद्घाटन करने के बाद अटल सभागार के सामने बने चरक स्कूल आफ फार्मेसी के नए भवन का उद्घाटन भी किया। इस भवन में फार्मेसी विभाग संचालित होगा और आधुनिक प्रयोगशाला से सुसज्जित होगा। इसके साथ ही कुलाधिपति ने गेस्ट हाउस में लगी हथकरघा प्रदर्शनी को भी देखा। पीएम उषा योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को मिले सौ करोड़ रुपये में फार्मेसी विभाग के पास ही एक यूजी ब्लाक भी बनेगा।

महापुरुषों से प्रेरणा लें : दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर दीनदयाल उपाध्याय छात्रावास में विशेष आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि छात्रावास अनुशासन, स्वच्छता व सेवा के प्रतीक बनें और छात्र महापुरुषों से प्रेरणा लें।

एनआईआरएफ रैंकिंग 2025

सीसीएसयू ने पहली बार देश के टॉप–50 राज्य विश्वविद्यालयों में दर्ज कराई अपनी उपस्थिति

परिसर संवाददाता

मेरठ। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 की रैंकिंग में सीसीएसयू ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। राज्य विवि श्रेणी (स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटीज) में देश के टॉप– 50 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह विवि 41वीं रैंक पाने में सफल रहा। उक्त श्रेणी में उप्र के चार विवि शामिल हैं। दिल्ली के भारत मंडपम में बृहस्पतिवार 4 सितंबर को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 की सूची जारी की गई। इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विभिन्न श्रेणियों में रैंकिंग सार्वजनिक की। धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संदेश में कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 ने उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास और मान्यता सुधार की राह प्रशस्त की है।

सीसीएसयू की ओर से कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, प्रतिकुलपति प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता, निदेशक शोध प्रो. बीरपाल सिंह और प्रो. अनिल मलिक शामिल हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय का एनआईआरएफ–2025 प्रमाणपत्र प्राप्त किया। कुलपति ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि एनआईआरएफ रैंकिंग विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध कार्य और सामाजिक सरोकारों का प्रमाण है।

> नैक ए प्लस–प्लस मान्यता प्राप्त करने के बाद अब लगातार बेहतर होती एनआईआरएफ रैंकिंग, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध कार्य और सामाजिक सरोकारों का प्रमाण है। यह विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयासों का नतीजा है।
>
> **● प्रो. संगीता शुक्ला, कुलपति, सीसीएसयू**

देश से 4045 शैक्षिक संस्थानों की ओवरऑल श्रेणी में चौधरी चरण सिंह विवि शामिल नहीं हो सका। विश्वविद्यालय श्रेणी में सीसीएसयू ने रैंक बैंड 151–200 में जगह बनाई है। 2024 में भी सीसीएसयू विवि श्रेणी में इसी रैंक बैंड में शामिल था। हालांकि राज्य विवि श्रेणी में 2024 में सीसीएसयू टॉप–50 से बाहर था, जबकि 2025 में 41वीं रैंक पाई है। 2024 में सीसीएसयू राज्य विवि श्रेणी में केवल रैंक बैंड 51–100 में ही उपस्थिति दर्ज करा सका था। ऐसे में मात्र एक साल में सीसीएसयू देश के टॉप–50 राज्य विवि में शामिल हो गया। उक्त रैंकिंग शिक्षक शिक्षण और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच और समावेशिता तथा सहकर्मी धारणा पर तैयार की गई है।

कुलपति को किया सम्मानित

एनआईआरएफ में देश के राज्य विश्वविद्यालयों में 41 वीं रैंक, सौ एकड़ में कैंपस एक्सटेंशन के प्रस्ताव सहित शोध एवं शिक्षा में चौधरी चरण सिंह विवि को नए मुकाम पर लाने के लिए कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला को सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने कुलपति को विवि को नई ऊंचाइयां देने पर शुभकामनाएं दी। ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिन्मय भारद्वाज के नेतृत्व में मेरठ, गाजियाबाद एवं बागपत से आए पदाधिकारियों ने उक्त अभिनंदन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. वीपी शर्मा, कार्यपरिषद के पूर्व गवर्नर नॉमिनी डॉ. हरीश चंद्र शर्मा, घनश्याम शर्मा, प्रमोद शर्मा, अमित शर्मा, अनुज भारद्वाज, तरुण, डोरीलाल शर्मा, डॉ. ईश्वर चन्द गम्भीर, डॉ. विशाल सारस्वत मौजूद रहे।

सीसीएसयू से किसानों को मिलेगी मौसम की जानकारी

आईएमडी नई दिल्ली के साथ दो एमओयू

परिसर संवाददाता

मेरठ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) नई दिल्ली और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। यह संस्था भारत सहित उत्तरी हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों की भविष्यवाणी और चेतावनी जारी करने की जिम्मेदारी निभाती है। दिल्ली मुख्यालय के अलावा आईएमडी के देशभर में सैकड़ों वेधशाला और क्षेत्रीय कार्यालय हैं। सीसीएसयू विश्वविद्यालय के साथ यह साझेदारी देश में मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में युवा शोधार्थियों को नई दिशा देगी।

छात्र आईएमडी की प्रयोगशालाओं, वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन और अत्याधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में नये शोध करेंगे।

समझौते से भूगोल, भौतिकी, गणित, पर्यावरण विज्ञान और आपदा प्रबंधन व पीएचडी के छात्र आईएमडी नई दिल्ली में शोध और इंटर्नशिप कर सकेंगे। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक छात्र–शोधार्थियों को सह–मार्गदर्शक के रूप में सहयोग देंगे।

विश्वविद्यालय परिसर में पहले से संचालित मौसम वेधशाला का विस्तार अगले दस वर्षों तक किया जाएगा। छात्रों को मौसम विज्ञान, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों पर काम करने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से वैज्ञानिक–एफ एवं हेड आरएमसी नई दिल्ली गजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक डॉ. वीके सोनी, वैज्ञानिक एवं हेड (ऑर्गनाइजेशन) डॉ. आरके गिरी मौजूद रहे।

सीसीएसयू की प्रो. सरू कुमारी

एच इंडेक्स रैंकिंग में टॉप पर

मेरठ। दुनियाभर के 221 देशों से 26 लाख वैज्ञानिकों और 24 हजार 546 संस्थाओं की एडी साइंटिफिक इंडेक्स रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

वर्ष 2026 की एच–इंडेक्स रैंकिंग में कैंपस में गणित की प्रोफेसर डॉ. सरू कुमारी सीसीएसयू में पहले पायदान पर हैं। डॉ. सरू की देशभर में 171 और दुनियाभर में 23 हजार 947वीं रैंक है। प्रोफेसर सरू इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन और एआई पर काम करती हैं। इस रैंकिंग में कैंपस से सेवानिवृत्त प्रोफेसर ने भी जगह बनाई है। टॉप–10 रैंक में भौतिकी, लाइफ साइंस, सांख्यिकी, टॉक्सिकोलॉजी सहित कई विषय शामिल हैं। एच–इंडेक्स टॉप–10 में कैंपस से भौतिक विज्ञान और गणित से दो–दो प्रोफेसर ने जगह बनाई है। यह रैंकिंग पांच वर्षों के एच–इंडेक्स, आई–10 इंडेक्स और साइटेशन की गणना के आधार पर जारी की जाती है।

प्रो. सिद्दीकी को सर्वश्रेष्ठ लाइब्रेरियन अवार्ड

मेरठ। मद्रास लाइब्रेरी एसोसिएशन ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस के लाइब्रेरियन प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी को सर्वश्रेष्ठ लाइब्रेरियन अवार्ड से सम्मानित किया है।

कोटटूरपुरम चेन्नई में हुए पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन के 133वीं जयंती समारोह में प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी को अवार्ड दिया गया। प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकीको यह अवार्ड पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया।

छोटूराम इंस्टीट्यूट के छात्रों का हुआ चयन

मेरठ। सर छोटूराम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एससीआरआईईटी) के मेधावी छात्रों ने यूरेका के जोनल राउंड में चयनित होकर प्रतिभा का परचम लहराया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता आईआईटी बांबे के उद्यमिता प्रकोष्ठ ई–सेल द्वारा आयोजित की जाती है, जिसे एशिया की सबसे बड़ी बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता माना जाता है।

चयनित टीम में प्रखर गंगवार, ऋषि कुमार, दिव्यांशु राठौर, प्रियांशु श्रीवास्तव, हिमांशु सिंह और प्रियांशु यादव शामिल हैं।

संस्थान निदेशक प्रो. नीरज सिंघल ने कहा कि हमें गर्व है कि एससीआरआईईटी के छात्र स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर रहे हैं। यूरेका जैसे मंच विद्यार्थियों को तकनीकी सोच के साथ–साथ उद्यमिता की वास्तविक समझ प्रदान करते हैं।

आईआरआईएनएस पोर्टल पर चमका सीसीएसयू

मेरठ। हाल ही में कुलाधिपति की अध्यक्षता में राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों ने इन्फेलिबनेट के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए थे जिसमें शोधगंगा पोर्टल पर थीसिस अपलोड किए जाने के साथ–साथ आईआरआईएनएस पोर्टल पर शिक्षकों द्वारा शोध को भी साझा करने के निर्देश दिए हुए हैं। बता दें कि आईआरआईएनएस (इंडियन रिसर्च इनफार्मेशन नेटवर्क सिस्टम) इन्फेलिबनेट द्वारा विकसित एक वेब आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन सेवा है, यह पोर्टल अकादमिक अनुसंधान एवं विकास संगठनों और संकाय सदस्यों वैज्ञानिकों को विधवत्तापूर्ण संचार गतिविधियों को एकत्रित करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है।

एमओयू के बाद सीसीएसयू ने बहुत कम समय में अपनी पहचान बना ली है। टॉप दस शिक्षकों में पहले स्थान पर प्रो. शिव राज सिंह रहे जिनके 295 शोधपत्र प्रकाशित हैं। पोर्टल पर विशविद्यालय के 76 शिक्षकों के 1320 शोधपत्र और 29 पेटेंट्स अपलोड किए जा चुके हैं।

गरबा से भारतीय परंपरा का जीवंत प्रदर्शन

मेरठ। विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई गर्ल्स हॉस्टल में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत गरबा ईव का भव्य आयोजन किया गया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और पारंपरिक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से महिला सश. क्तिकरण और भारतीय परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि मिशन शक्ति केवल कार्यक्रम नहीं, महिला सशक्तिकरण की एक सतत यात्रा है, जो छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।